

## कुंभ मेला 2025 की तैयारियाँ

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने [कुंभ मेले](#) 2025 को अधिक सुरक्षित एवं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध आयोजन बनाने के लिये उपायों की घोषणा की।

#### मुख्य बंदि

- **उन्नत सुरक्षा उपाय:**
  - भीड़ नयितरण और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिये [ड्रोन](#) सहित उन्नत सुरक्षा और नगिरानी प्रणालियाँ तैनात की जाएँगी।
- **सांस्कृतिक प्रदर्शनियाँ:**
  - पूरे मेले में पारंपरिक प्रदर्शन और प्रदर्शनियाँ होंगी, जो भारत की बविधि वरिसत पर प्रकाश डालेंगी।
- **बुनयादी ढाँचागत वकिस:**
  - लाखों तीरथयात्रियों की सुवधा के लिये सड़क वसितार, बेहतर स्वच्छता और उन्नत सुवधाओं को प्राथमकता दी गई है।
- **पर्यावरण अनुकूल पहल:**
  - अपशषिट को न्यूनतम करने तथा गंगा नदी एवं आसपास के कषेत्रों की स्वच्छता बनाए रखने के लिये कदम।

### कुंभ मेला

- कुंभ मेला तीरथयात्रियों का सबसे बड़ा शांतपूरण समागम है, जसिके दौरान प्रतभागी पवतिर नदी में स्नान करते हैं।
- कुंभ मेला [UNESCO](#) की मानवता की अमूरत सांस्कृतिक वरिसत की प्रतनिधि सूची के अंतरगत आता है।
- यह महोत्सव प्रयागराज (गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती के संगम पर), हरदिवार (गंगा के तट पर), उज्जैन (शपिरा के तट पर) व नासकि (गोदावरी के तट पर) में प्रत्येक चार वर्ष में आयोजति कया जाता है और इसमें जात, पंथ या लगी के भेदभाव के बनिा लाखों लोग भाग लेते हैं।
- चूँकि यह भारत के चार अलग-अलग शहरों में आयोजति कया जाता है, इसमें वभिन्नि सामाजिक और सांस्कृतिक गतविधियाँ शामिल होती हैं, जसिसे यह सांस्कृतिक रूप से वविधितापूरण त्योहार बन जाता है।
- यह आयोजन खगोल वजिज्ञान, ज्योतिषि, अध्यात्म, अनुषठानिक परंपराओं तथा सामाजिक और सांस्कृतिक रीत-रिवाजों एवं प्रथाओं को समाहति करता है, जसिसे यह ज्ञान की दृषटि से अत्यंत समृद्ध बन जाता है।
- परंपरा से संबंघति ज्ञान और कौशल प्राचीन धारमिक पांडुलिपियों, मौखिक परंपराओं, ऐतहिसकि यात्रा वृत्तांतों और प्रख्यात इतहिसकारों द्वारा तैयार ग्रंथों के माध्यम से प्रसारति कये जाते हैं।
- आश्रमों और अखाडों में साधुओं के बीच गुरु-शपिय संबंघ कुंभ मेले से संबंघति ज्ञान और कौशल प्रदान करने और उसकी सुरक्षा करने का सबसे महत्त्वपूरण तरीका बना हुआ है।